Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
MANESAR

सूचना पत्र
2020-21

संवाहिका

संपादक मंडल

श्री हर्ष कुमार (प्राचार्य)

स्मिता देवी शुक्ला (विभागाध्यक्षा)

अनूप कुमारी (संपादिका)

प्रीति शर्मा (तकनीकी सहायक)

कह दो तूफ़ानों से कि अब राह कोई और ढूँढ ले ,

टकराकर उनसे, अब हमने भी लड़ना सीख लिया है ।

जीवन गतिशील है जिसमें चाहे जितनी मुश्किलें आएँ हमें निरंतर आगे बढ़ना ही है। आज हम जिस दौर से गुजर रहे हैं वह हमारे लिए एक समस्या ही नहीं बल्कि एक बहुत बड़ी चुनौती भी है जिसके समक्ष हमें अपने आपको झुकने नहीं देना है अपितु अडिग रहते हुए जीवन को एक नई दिशा धारा देनी होगी। आज संपूर्ण विश्व कोविड-19 से जूझ रहा है ऐसे में हमने पूर्ण प्रयास किया है कि विद्यार्थियों के अधिगम में किसी प्रकार का व्यवधान न आए । वे अपनी सीखने की प्रक्रिया को घर में सक्रिय रख सकें । विद्यालय ने पूर्ण प्रयास किया है कि सभी विषयों को रोचक एवं सुगम बनाकर विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करे ताकि विद्यार्थी घर बैठे सहजता पूर्वक अध्ययन कार्य को पूर्ण कर सकें। यह कहते हुए मुझे अति प्रसन्नता हो रही है कि इस क्षेत्र में जिस संकल्प शक्ति के साथ हम आगे बढ़े थे आज सहजता से उसे पूरा कर पा रहे हैं । हम आगे भी विद्यार्थियों की दक्षताओं को विकसित करने व उनका सर्वांगीण विकास करने का निरंतर प्रयास करते रहेंगे ।

साभार

हर्ष कुमार (प्राचार्य)

रेखा बूडाकोटी
(संयोजिका)

मनुष्य ईश्वर की अद्भुत कृति है जिसे उसने विशेष योग्यता एवं साहस देकर इस धरा पर भेजा । उसमें नवसृजन व उत्थान करने की शक्ति दी, किसी भी विकट समस्या के निदान की समझ दी । आज उसी का परिणाम है कि हमने प्रतिकूल परिस्थिति में भी शिक्षण प्रक्रिया को ठहरने नहीं दिया । विद्यालय में न रहते हुए भी घर में वह परिवेश स्थापित किया जिससे विद्यार्थी सुगमता से सब कुछ सीख सके । हम ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अपने विद्यार्थियों के साथ जुड़े रहे और अनवरत रूप से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को चलाते रहे ।

इसी क्रम में हमने एक निश्चित अंतराल पर आप सबके लिए हिंदी और अंग्रेज़ी समाचार पत्रिका का वितरण आरंभ किया है, जिसमें आपको अपने विद्यालय से संबंधित सभी कार्यों की जानकारी देने का प्रयास किया है । आशा है आप हमारे प्रयास से संतुष्ट होंगे व समय – समय पर अपना मार्गदर्शन देते रहेंगे ।

स्मिता देवी शुक्ला
(विभागाध्यक्षा)

अभिव्यक्ति.....
त्रासदी की कारवाँ के
सप्त व्यूह भेदकर,
हम सतत चलते गए
अड़चनों को तोड़कर ।
ज्ञान की गंगा को अब तक
है भला कोई रोक पाया ?
अभिव्यक्ति में है शक्ति कितनी
है कौन ये जान पाया ?

विविध विषय हैं कलारंगी
है लोकरंजक भित्तियाँ,
सप्त रंगी इंद्रधनुषी
कैनवस पर लिखित कृतियाँ।
कल्पना के पंख लेके
हौसलों के वितान में,
डुबकियाँ तुम खूब लगाओ
अभिव्यक्ति की जनधार में।

अनूप कुमारी
(संपादिका)

हिंदी हमारी मातृभाषा है। जिस प्रकार माता अपने रक्त से सींचकर हमें सशक्त बनाती है उसी प्रकार हमारी भाषा भी हमें बौद्धिक रूप से समृद्ध करती है। हमारी भावनाएँ, रीति-रिवाज, सांस्कृतिक विचारधारा शब्दों की नदियों के रूप में हमारी भाषा में बहते हैं। किसी भी भाषा को सीखना गलत नहीं है किंतु अपनी भाषा को हेय समझना भी तो कोई समझदारी नहीं। आज हम सभी एक दौड़ में भागे जा रहे हैं जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी अंग्रेज़ी बोलने में एक दूसरे को पीछे छोड़ देना चाहता है। क्या हो गया है हमारी मानसिकता को ! क्यों आज हम अपनी मातृभाषा से सौतेला व्यवहार कर रहे हैं ? हिंदी अध्यापिका होने के नाते मेरी आप सभी से विनम्र प्रार्थना है कि आप सभी भाषाओं को सीखिए लेकिन हिंदी जो कि हमारी राजभाषा है उसे उसका सम्मान अवश्य दीजिए, क्योंकि जो ज्ञान, जो संस्कार, हमें अपनी राजभाषा हिंदी से मिलते हैं वो किसी अन्य भाषा से कदापि नहीं मिल सकते ।

झलकियाँ

कदम हमारे छोटे हैं पर मन में है उल्लास भरा,
बढ़ छू लेंगे हम गगन को और नाप लेंगे ये धरा ।

जब मन में कुछ कर दिखाने की चाह हो और हौंसले बुलंद हों तो कोई भी मुसीबत आपको रोक नहीं सकती । इस बात को चरितार्थ कर दिखाया है पूर्व प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों ने। विद्यार्थियों ने माह अगस्त व सितंबर में कराई गईं गतिविधियों-(फ़ैन्सी ड्रेस, स्वतंत्रता दिवस समारोह, जन्माष्टमी पर्व, प्रकृति प्रेम आदि) में बढ़-चढ़कर भाग लिया ।

हिंदी महोत्सव

राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन के लिए विद्यालय का हिंदी भाषा विभाग कृत संकल्पित है | निर्धारित मापदंड के अनुरूप समय–समय पर अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया । विद्यालय ने 29 अगस्त 2020 को अंतर्विद्यालय प्रतियोगिता "अतुल्य भारत" का आयोजन किया । जिसमें लगभग 28 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने ऑन लाइन गतिविधियों जैसे–चरित्र-मंचन, कविता की अभिन्यात्मक प्रस्तुति, कहानी वाचन, समुच्चित चित्रकला आदि में भाग लिया व अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर कार्यक्रम को सफल बनाया। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 14 सितंबर से 30 सितंबर तक अनेक गतिविधियाँ जैसे - विज्ञापन प्रस्तुति, नारा लेखन, संवाद–लेखन, प्रात: स्मरणीय श्लोक आदि करवाई गईं ।

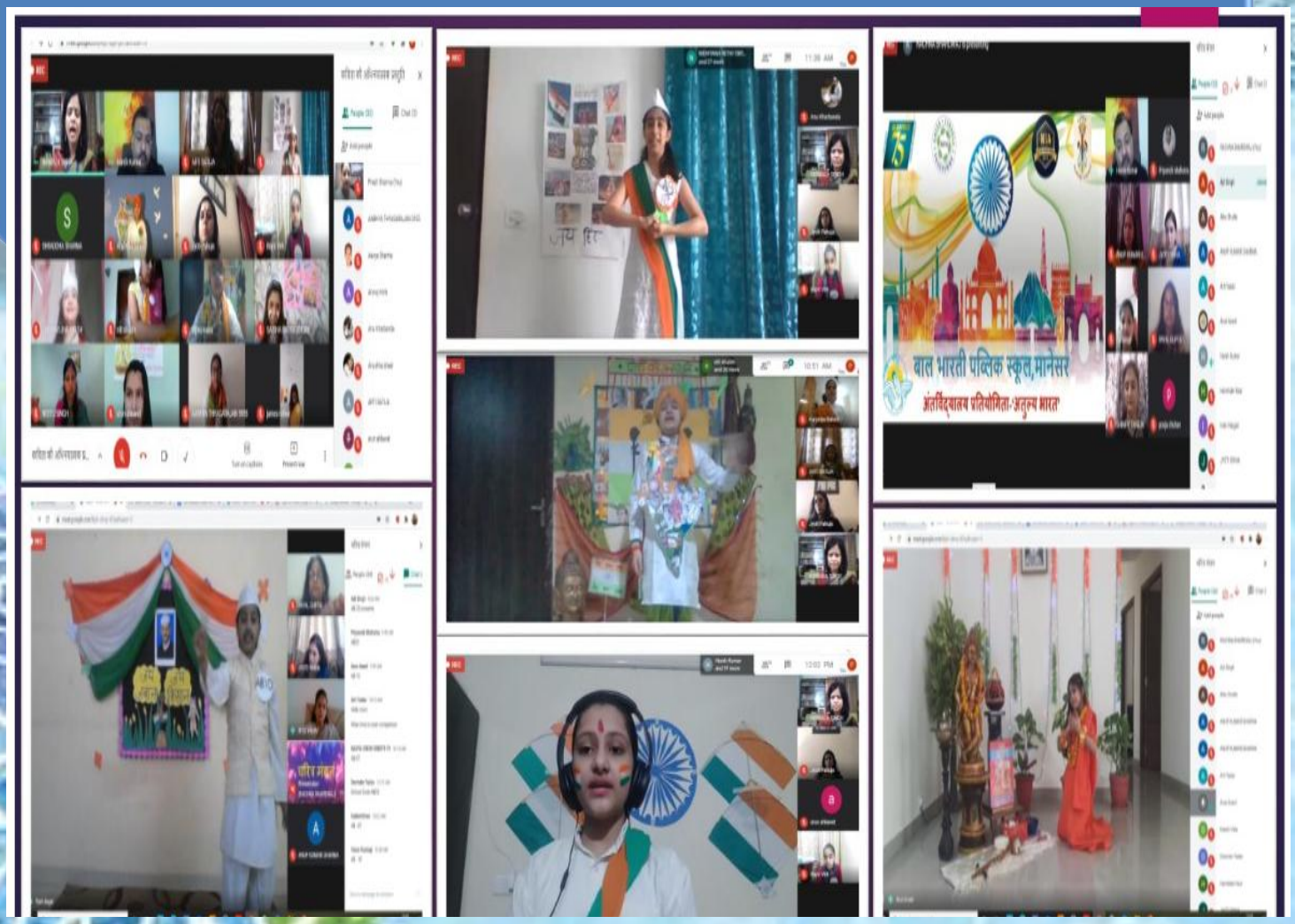

हिंदी हमारी शान

हमारी भाषा हिंदी, हमारे देश की संस्कृति और संस्कारों का प्रतिबिंब है । यह हमारी मातृभाषा है। यह वह भाषा है जिसने संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँध रखा है, किंतु आज की आधुनिकता और तकनीकी के प्रभाव के कारण हिंदी भाषा को वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जिसकी वह हकदार है । इसी बात को ध्यान में रखते हुए विद्यालय ने हिंदी भाषा के विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे–कहानी वाचन, समाचार प्रस्तुति, चौपाई गायन, नारा लेखन कविता की अभिन्यात्मक प्रस्तुति, चरित्र–मंचन आदि का आयोजन किया । विद्यालय इसप्रकार की सभी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी भाषा से जोड़ने का लगातार प्रयास कर रहा है। पूर्व प्राथमिक से लेकर प्रत्येक कक्षा के सभी विद्यार्थी लिखित एवं मौखिक अभिव्यक्ति के माध्यम से गतिविधियों में भाग ले रहे हैं एवं हिंदी भाषाबोध का विकास कर रहे हैं ।

बिखरे रंग

कला जीवन का वह सुंदर रूप है जिसे केवल महसूस किया जा सकता है, जिससे जुड़कर कोई भी उसमें मग्न हो जाता है और बाकी सब भूल जाता है। कला उस क्षितिज की भाँति है जिसका कोई छोर नहीं । यह अनेक विधाओं को स्वयं में समेटे हुए है। इसे हम विभिन्न रूपों में जान सकते हैं जैसे–चित्रकला, नृत्यकला, संगीत आदि। यह मनुष्य को प्रकृति की वह देन है जिसे यदि विशेष महत्त्व दिया जाए तो यह शीर्ष तक पहुँचाने तक का सामर्थ्य रखती है। कला के इसी महत्त्व को ध्यान में रखते हुए सभी विद्यार्थियों में छुपी प्रतिभा को बाहर लाने का प्रयास विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किया गया ।

वैश्विक भाषा

उच्चारण मौखिक संचार का एक पहलू है, जो संचार को अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाता है। उच्चारण किसी भी भाषा की ध्वनि प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्रों के उच्चारण में सुधार करने के लिए 'शैडो रीडिंग'गतिविधि जुलाई के महीने में छठी और सातवीं कक्षा के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। छात्रों ने लघु वीडियो क्लिपिंग का चयन किया और सही उच्चारण के साथ स्क्रीन पर पाठ पढ़ा। गतिविधि ने निश्चित रूप से छात्रों को अपने पढ़ने के कौशल को सुधारने और सही उच्चारण के साथ पढ़ने में मदद की। प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भी अनेक गतिविधियों द्वारा अंग्रेज़ी भाषा को रोचक ढंग से सीखने का प्रयास किया ।

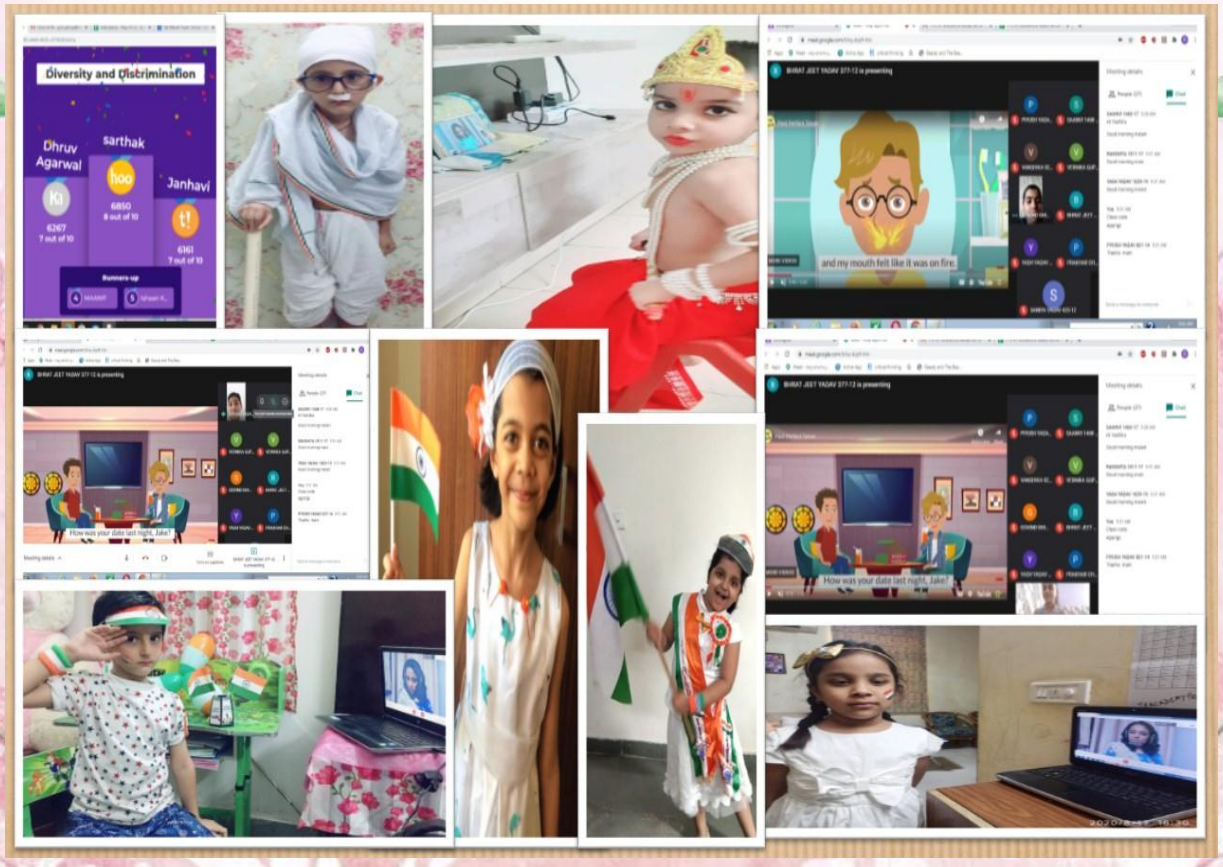

अंकों का परिवार

गणित एक बहुत ही रोचक विषय है, जो जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है । यह मानव की बुद्धि को विस्तृत और तर्कपूर्ण बनाता है । यह प्रत्येक विषय से अंतरसंबंधित है । कोई भी विषय बिना गणित के अर्थहीन होता है।

जैसा कि हमें ज्ञात है गणित प्रकृति के हर एक कण में व्याप्त है, तो इसका शिक्षण भी बंद कमरे में नहीं हो सकता । इसी भावना को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक शिक्षक ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को गणित से जोड़ा व विषय को रोचक ढंग से उनके समक्ष प्रस्तुत किया । गत माह जुलाई और अगस्त में निम्न गतिविधियों (**Value of Ones and Tens, Types of 2D shapes, Concept of Number Bond in Addition using ice-cream sticks,** Rakhi Making using shapes**,** Visualising Shapes with Paper and Objects**, Multiplication Facts using Rajmah seeds**) आदि के माध्यम से गणित विषय को सरल रूप में सिखाया गया।

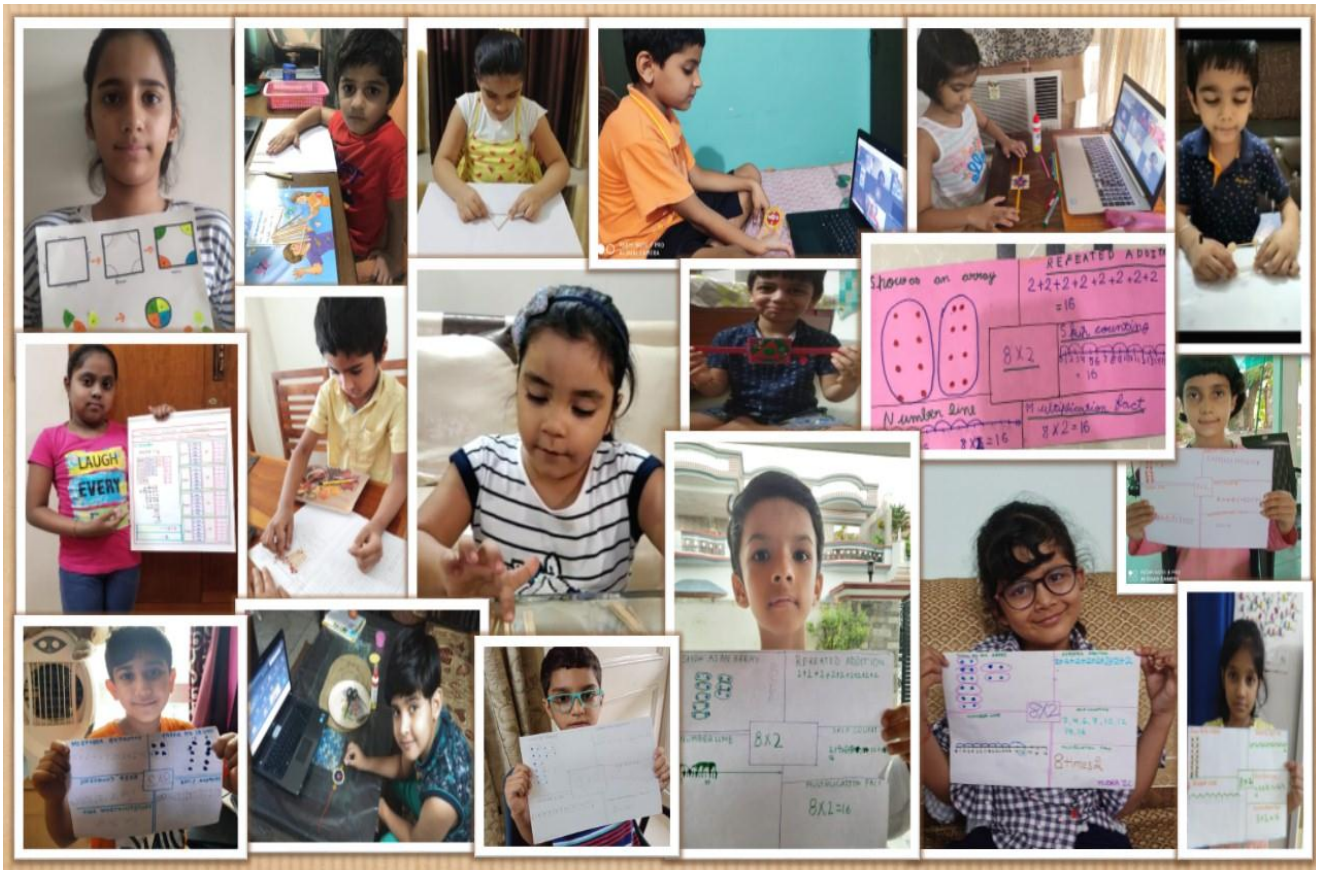

नई दिशाएँ

विज्ञान विश्व के विकास की परिभाषा लिखता है । यह प्रकृति की अनसुलझी गुत्थियों को सुलझाने का अथक प्रयास करता है । इस कार्य को हमारे वैज्ञानिक बड़ी मेहनत से सार्थक करते हैं । इन्हीं कुछ अनसुलझी गुत्थियों को हमारे नन्हें वैज्ञानिकों ने अनेक गतिविधियों के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया है । अध्यापकों ने विद्यार्थियों को गतिविधियों द्वारा उनके चारों ओर के पर्यावरण में घटित होने वाली घटनाओं के पीछे के तथ्यों को सिखाने का प्रयास किया है जिसमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अनेक गतिविधियों जैसे – Cloths we wear, Air needs space, Water lens, Static Energy, First Aid, Volcanic Experiment, Magical Plastic Bag Experiment आदि में भाग लिया व कुछ नया कर दिखाने की ओर कदम बढ़ाए ।

जीवन की पाठशाला

सामाजिक विज्ञान समाज का विज्ञान है, जो हमें अपने भूतकाल से शिक्षा लेकर वर्तमान और भविष्य के निर्माण करने का ज्ञान देता है। यह हमें हमारे समाज के इतिहास, राजनीति, आर्थिक व्यवस्था और पर्यावरण का पूर्ण ज्ञान देता है ।

इस विधा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षकवृंद ने विद्यार्थियों को इतिहासकार, राजनीतिक, अर्थशास्त्री और भूगोलवेता की तरह कुछ गतिविधियों द्वारा जटिलता को सुगमता से सिखाने का प्रयास किया है । जिसमें (learning of latitude and longitude, Waste management, Architecture of Roman empire) आदि अनेक गतिविधियाँ कराई गईं ।

इस विश्व महामारी के समय में जब बाहर जाकर अध्ययन करना असंभव प्रतीत हुआ तब तजाकिस्तान के virtual tour द्वारा विद्यार्थियों ने सामाजिक एवं भौगोलिक परिवेश का अध्ययन किया । विद्यार्थियों ने अपने अनुभव प्रकट करते हुए बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के लिए सीखने के नए रास्तों का निर्माण करती है ।

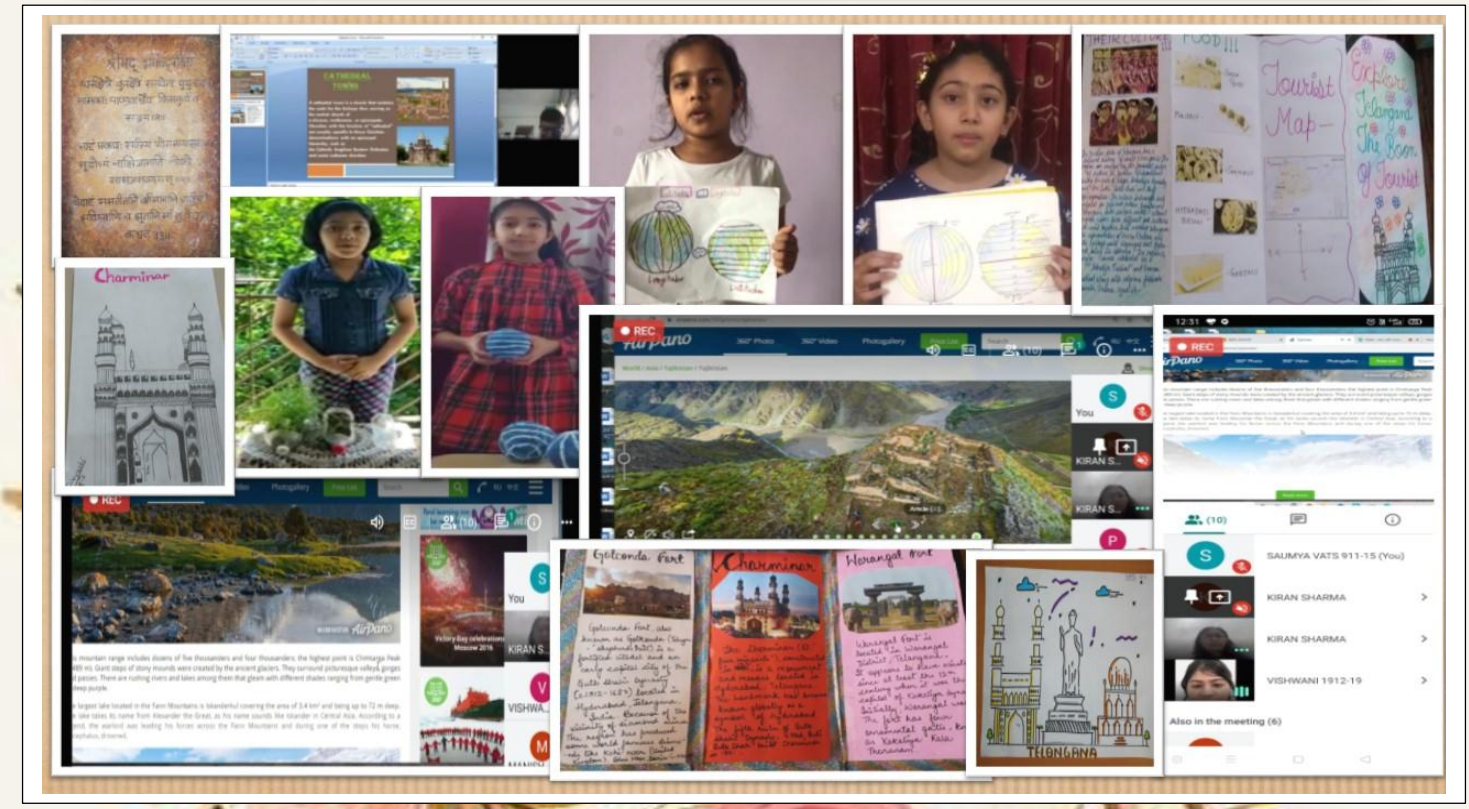

वंदना ....

किसी भी कार्य को करने से पूर्व ईश्वरीय वंदना आवश्यक है । प्रार्थना हमें अपने अनुभवों को बाँटने का मौका प्रदान करती है । यह हमारे व्यक्तित्व में बदलाव का बुनियादी केंद्र है। जब भी हम प्रार्थना करते हैं तो अनुभव करते हैं कि कोई तो है, जो हम सबको रोशन कर रहा है । निरंतर आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान कर रहा है। इन्हीं सुविचारों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय ने विभिन्न अंतरालों में वर्चुअल प्रार्थना सभा का आयोजन कराया । सभा में विद्यार्थियों को मंच प्रदान किया जहाँ वे विभिन्न गतिविधियों जैसे–सुविचार प्रस्तुति, समाचार प्रस्तुति, भाषण आदि के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत करें व भीतर की झिझक को दूर कर आत्मविश्वास को जगा सकें ।

बढ़ते कदम

प्रतियोगिता विद्यार्थियों के बालमन में प्रतिस्पर्धा के धनात्मक बीज को अंकुरित करती है । स्कूल बच्चों को मंच प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को परिष्कृत करते हैं। ऐसा करके वे विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मज़बूत तो करते ही हैं, साथ में उनको जीवन के मुख्य पड़ाव की कठिन प्रतियोगिताओं के लिए तैयार भी करते हैं । इसी दिशा में अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिताएँ मील का पत्थर साबित होती हैं । विभिन्न विद्यालयों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में बाल भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया व विशेष स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया ।

सुलझन

छात्र – छात्राओं में होने वाले शारीरिक, मानसिक और भावात्मक परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय द्वारा सेमिनार आयोजित कराए गए। जिनमें विद्यार्थियों के जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान और उचित निदान के बारे में उनका मार्गदर्शन किया गया । समय – समय पर विद्यालयी स्टाफ एवं अभिभावकों के लिए भी विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया ।

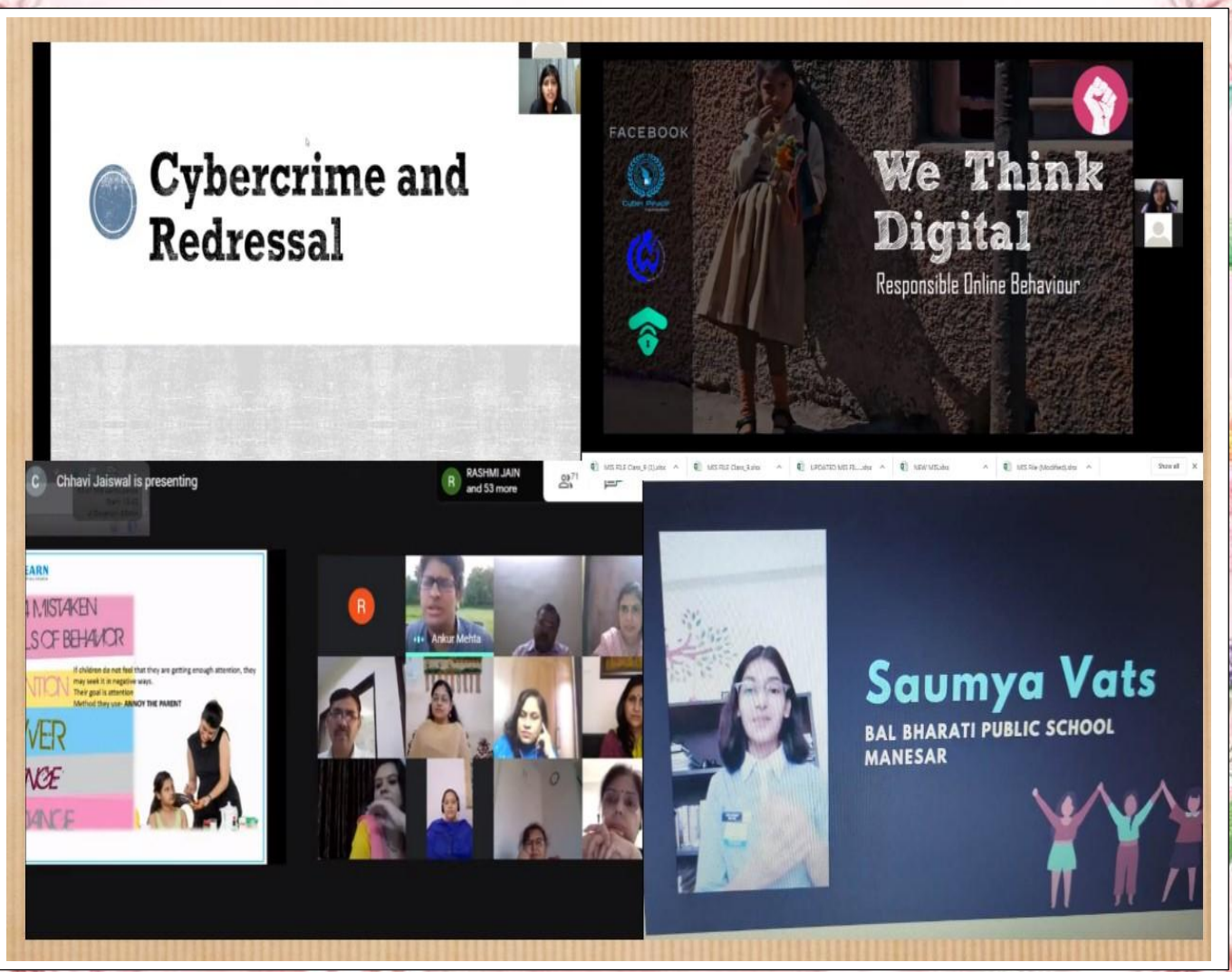

आप सभी ने 'संवाहिका' पत्रिका का अवलोकन करते हुए बाल भारती परिवार के प्रयासों को सम्मानित किया इसके लिए हम आपके आभारी हैं । आगे भी आप सभी के मार्गदर्शन एवं शुभकामनाओं की अपेक्षा करते हैं ।

धन्यवाद !